बोचासणवासी श्री अक्षरपुरुषोत्तम स्वामिनारायण संस्था
सत्संग शिक्षण परीक्षा (पूर्व कसौटी - जनवरी, २०२२)

(समय : दोपहर २:०० से ५:००) **सत्संग प्रवीण : प्रश्नपत्र -२**

सूचना : इस प्रश्नपत्र में से कम या ज्यादा मात्रा में प्रश्न दिनांक ६ मार्च, २०२२ के दिन होनेवाली मुख्य परीक्षा में पूछे जाएँगे। मुख्य परीक्षा में उत्तरवही के अलावा अतिरिक्त पन्नों में लिखें हुए उत्तर मान्य नहीं होंगे। परीक्षा कार्यालय, अहमदाबाद की पूर्व मंजूरी बिना मूल परीक्षार्थी के बदले 'लेखाकार' या 'डमी राइटर' एवं 'दूसरे व्यक्ति' द्वारा लिखी गई परीक्षा की उत्तरवही रद मानी जाएगी। एक से ज्यादा प्रकार के अक्षरों की लिखावट रद मानी जाएगी। काटकूट किए हुए उत्तर मान्य नहीं होंगे। अस्पष्ट और पढ़ा ना जा सके ऐसे उत्तर मान्य नहीं होंगे। अभ्यास क्रम में शामिल पुस्तक की अंतिम संस्करण का ही उपयोग करें। परीक्षा-कक्ष में परीक्षा के दौरान किसी भी परीक्षार्थी को मोबाईल फोन तथा इलेक्ट्रॉनिक साधन जैसे टेब्लेट, लेपटॉप आदि का उपयोग करने तथा उसे अपने पास रखने की अनुमति नहीं है।

कुल गुण : १००

विभाग-१ : किशोर सत्संग प्रवीण - द्वितीय संस्करण, जनवरी - २००९

प्र. १ निम्नलिखित कथन कौन, किसे और कब कहता है, यह लिखिए। **[९]**

१. ''तुम्हें हमारे कहे अनुसार करना है या फिर साधु बनना है?''
२. ''अब जाकर श्रीहरि को अपने गाँव आने का निमंत्रण दो।''
३. ''आप तो कुछ जानते ही नहीं!''

प्र. २ निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए। **[६]**

१. दो ब्राह्मण मुमुक्षु भुज पहुँचे तब श्रीजीमहाराज किस के घर क्या कर रहे थे?
२. प्रत्यक्ष स्वरूप का ध्यान करनेवालों को किस में अन्तर प्रतीत नहीं होता?
३. निष्कुलानंद स्वामी ने कौन से ग्रंथो की रचना की थी? (कोई भी दो)
४. अद्‌भुतानंद स्वामी का जन्म किस जिले के कौन से गाँव में हुआ था?
५. भगवान स्वामिनारायण किस को अपने में लीन करने की शक्ति के धारक है?
६. मुक्ति या कल्याण किसे कहते हैं?

प्र. ३ निम्नलिखित विषय पर प्रमाणसर टिप्पणी लिखिए। (बारह पंक्तियों में) **[८]**

१. रामबाई **अथवा** २. सोमला खाचर
३. जनमंगलस्तोत्रम् **अथवा** ४. संप्रदाय के शास्त्र : शिक्षापत्री

प्र. ४ निम्नलिखित वाक्यों में से किसी भी <u>तीन</u> वाक्यों पर कारण लिखिए। (बारह पंक्ति में) **[९]**

१. अक्षरब्रह्मरूप होने के बाद ही जीव पुरुषोत्तम की भक्ति के अधिकारी बन सकते हैं।
२. बंधिया के जैन महाजन स्तब्ध रह गए।
३. छपैया, अयोध्या, गढ़डा आदि भगवदीय तीर्थ है।
४. टरोरो में जीवों को भगवान के दिव्य प्रकाश की ओर प्रेरित किया।

प्र. ५ 'भक्त पर यदि दुःखो.....' 'स्वामी की बात' पूर्ण कीजिए और इसके बारे में निरूपण लिखिए। **[५]**

प्र. ६ निम्नलिखित विषय के लिए सूचनानुसार छः सही क्रमांक और उस सही क्रमांक को यथार्थ घटनाक्रम के अनुसार लिखिए। **[६]**

विषय : साधु

१. मान-अपमान में भी अपना कार्य अविरत रूप से गतिमान रखा। **२.** साधु सत्संग के आधारस्तंभ हैं। **३.** अपने पास कौड़ी जितना धन भी रखते या रखवाते हों, तो पाँच हज़ार गायों की हत्या का पाप लगेगा। **४.** आचार्य के धन से आवश्यक व्यवस्था करने की भी संमति थी। **५.** धन के स्पर्श होने पर धूल से हाथ धोकर पवित्र हुआ जा सकता है। **६.** BAPS में श्वेत वस्त्रधारी पार्षदों के भी साधुओं के जैसे ही नियम होते हैं। **७.** पहेले ये पार्षद सिले हुए वस्त्र पहन सकते थे। **८.** अपने पास कौड़ी जितना धन भी रखते या रखवाते हों, तो दस हजार गायों की हत्या का पाप लगेगा। **९.** साधुओं को दो-दो की जोड़ी में ही रहना-फिरना होता है। **१०.** पार्षदों को भी ब्रह्मचर्यपरायण रहना होता है । **११.** हरिभक्तों को धर्मोपदेश देकर धर्ममर्यादा में रखते हैं। **१२.** श्रीजीमहाराज के समय में ६०० नैष्ठिक व्रतधारी परमहंस हुए थे।

(१) केवल सही क्रमांक : ☐ ☐ ☐ ☐ ☐ ☐

(२) यथार्थ घटनाक्रम : ☐ ☐ ☐ ☐ ☐ ☐

सूचना : (१) केवल सही क्रमांक के सभी छः उत्तर क्रमांक सही होंगे तो ही ३ गुण प्राप्त होंगे। (२) यथार्थ घटनाक्रम भी सही होगा तो ही ३ गुण प्राप्त होंगे, अन्यथा एक भी गुण प्राप्त नहीं होगा।

प्र. ७ निम्नलिखित जनमंगलनामावलि/सहजानंदनामावलि/कीर्तन/अष्टक/श्लोक आदि को सूचनानुसार पूर्ण कीजिए। **[८]**

१. जनमंगल नामावलि : ॐ श्रीयोगकलाप्रवृत्तये नमः ..... ॐ श्रीतीर्थकृते नमः **अथवा**
सहजानंद नामावलि : ॐ श्रीभगवते नमः ..... ॐ श्रीद्विभुजाय नमः।
२. वहाला तारी मूरति अति..... बोलावता रे लोल।
३. श्वासेन ..... शरणं प्रपद्ये॥
४. निजात्मानं ..... कृष्णस्य सर्वदा॥ - श्लोक का हिन्दी में अनुवाद लिखिए।

विभाग-२ : गुणातीतानंद स्वामी -द्वितीय संस्करण, जनवरी - २०१९

प्र. ८ निम्नलिखित कथन कौन, किसे और कब कहता है, यह लिखिए। **[९]**

१. ''श्रीहरि भवन में कथावार्ता करने गए हैं।''
२. ''भेंसला नामक टेकरे पर बादल दिखाई दे रहे हैं।''
३. ''यदि ऐसा ही निरन्तर बना रहे, तो आपको कुछ भी करने के लिए शेष नहीं रह जाता।''

प्र. ९ निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए। **[५]**

१. गुणातीतानंद स्वामी किस के साथ घेला नदी पर नहाने गए थे?
२. वंथली गाँव के मार्ग पर जाते हुए स्वामीजी ने क्या कहा?
३. श्रीहरि ने मूलजी भक्त को देखकर उपस्थित लोगों को सम्बोधित करते हुए क्या कहा?
४. स्वामी किसको ज्ञान देना चाहते थे?
५. श्रीहरि ने वरताल मन्दिर के महंत पद पर किसे नियुक्त किया?

प्र.१० निम्नलिखित वाक्यों में से किसी भी तीन वाक्यों पर कारण लिखिए। (नौ पंक्ति में) **[९]**

१. शौचक्रिया के लिए जा रहे गुणातीतानंद स्वामी मूर्छित होकर गिर पड़े।
२. गुणातीतानंद स्वामी को सूरत में प्रतिदिन भिक्षा के लिए जाना पड़ता था।
३. हंसराज पटेल ने अपने हठ का प्रतिफल अनुभव किया।
४. श्रीहरि ने फिर से संतो को मिट्टी के टुकडों को दिया।

प्र.११ निम्नलिखित में से किसी भी दो विषय पर प्रमाणसर संक्षिप्त नोंद लिखिए। (बारह पंक्तियों में) **[८]**

१. श्रीहरि द्वारा साकरबाई को कही गई मूलजी की महिमा
२. प्राकट्य
३. गुणातीत कथावार्ता

प्र.१२ निम्नलिखित किसी भी एक प्रसंग का संक्षिप्त में विवरण कर भावार्थ लिखिए। (बारह पंक्तियों में) **[४]**

१. रंक से राजा
२. मूर्ति में आसक्त

प्र.१३ निम्नलिखित विकल्पों में से केवल सही विकल्प के आगे दिए गए चोरस कोष्टक में सही (✓) का निशान करें। **[८]**

सूचना : एक या एक से अधिक विकल्प सही हो सकते हैं। सभी सही विकल्पों के आगे ही सही का निशान किया होगा तो ही पूर्ण गुण प्राप्त होंगे, अन्यथा एक भी गुण प्राप्त नहीं होगा।

१. गुणातीतानंद स्वामी और शांतानंद गुदडिया संत श्रीजीमहाराज के लिए क्या क्या लेकर नीकले?
   (१) ☐ 'सतीगीता' की पुस्तक
   (२) ☐ अचार के तीन डिब्बे
   (३) ☐ बरफी की मटकी
   (४) ☐ सोनेरी शणगार

२. जो सेवा करे, वही महंत
   (१) ☐ आज आपकी महिमा यथार्थ रुप से जान ली।
   (२) ☐ आप तो कचड़ा साफ़ कर रहे थे।
   (३) ☐ हमारे यहाँ स्त्री और धन का त्याग किया जाता है।
   (४) ☐ गंगा उल्टी नहीं बहती!

३. करसन बांभणिया
   (१) ☐ इसी से हरिभक्तों को भोजन कराइएगा ।
   (२) ☐ यह वर्ष बहुत कमजोर है ।
   (३) ☐ भक्तजन धर्मदान नहीं कर सकेंगे।
   (४) ☐ स्वामीने उस पिटारे को लेकर सुरक्षित रख दिया।

४. धर्मस्वरूपानंद ब्रह्मचारीजी
   (१) ☐ ठाकोरजी की सेवा में रहें।
   (२) ☐ मुझे रसास्वाद में कोई आपत्ति नहीं।
   (३) ☐ सूक्ष्म देह के भाव अभी भी दूर नहीं हुए।
   (४) ☐ अन्य दोष विघ्नकारक हैं।

प्र.१४ निम्नलिखित वाक्य में से गलत शब्द को सुधारकर विषय के अनुलक्ष्य में सही वाक्य लिखिए। **[६]**

सूचना :- संपूर्ण वाक्य सही लिखा होगा तो ही गुण प्राप्त होंगे। अन्यथा एक भी गुण प्राप्त नहीं होगा।

उदाहरण : बालचरित्र : कुछ समय के पश्चात् कैलासनाथ और पूरीबा को दूसरे पुत्ररत्न की प्राप्ति हुई। उसका नाम रवजी रखा गया।

जवाब : बालचरित्र : कुछ समय के पश्चात् **भोलानाथ** और **साकरबाई** को दूसरे पुत्ररत्न की प्राप्ति हुई। उसका नाम **सुन्दरजी** रखा गया।

१. **निर्मानिता :** महाराज उस विशेष रथ में नहीं बैठे, यह बात दिवान साहब के भी कानों तक पहुँच गई। दिवान साहब ने आश्चर्यपूर्वक पूछा, 'ऐसे वह कौन हैं और कहाँ के हैं, जो चांदी के रथ में नहीं बैठे और एक मामूली सी बैलगाड़ी में बैठ गए!'

२. **सेवावृत्ति :** उसके बाद स्वामी मेहलाव जाने के लिए प्रस्थान कर गए। प्रेमानंद स्वामी ने महिमापूर्वक बीमार हरिभक्तो की सेवा की। स्वामी की इच्छा से सभी हरिभक्त स्वस्थ हो गए।

३. **मान अपमान में समानता :** संवत् १८२२ की फाल्गुन पूर्णिमा के उत्सव पर श्रीगुणातीतानंद स्वामी गढ़डा पधारे। 'स्वामीजी अक्षरमुक्त के अवतार है' इस बात का प्रचार स्वामीजी की इच्छा से जागा स्वामी ने सत्संग क्षेत्र में प्रारम्भ कर दिया था।

४. **सद्गुरु कौन? :** संवत् १८७७ के चैत्र महिने में श्रीहरि ने गढ़डा में जीवा खाचर के घर पर अन्नकुटोत्सव आयोजित किया गया।

५. **दरिद्रता मिटाई :** स्वामीजी का आशीर्वाद प्राप्त करके, मुसाभाई का हौसला बढ़ गया; परंतु मुंबई जाने के लिए उनके पास पैसे न थे। स्वामीजी ने अंतर्यामीपन से यह बात जानकर, मुसा से कहा, 'तुम्हारी बहन ने चूल्हे के नीचे जमीन में दो सौ रुपये दबाकर रखा है, उसे माँग लेना!'

६. **तुलसी दवे को समाधि :** संवत् १८१८ में मार्गशीर्ष पूर्णिमा का उत्सव मनाकर श्रीगोपालानंद स्वामी विचरण करते हुए सारंगपुर पधारे। वहाँ मंदिर में विष्णु दवे की कथा सुनकर स्वामीजी उन पर अपनी कृपादृष्टि की और उन्हें महुवा आने के लिए कहा।

* * *

☞ **अगत्य की सूचना : सभी परीक्षार्थी अपनी संस्था की निम्नलिखित website - link पर से पुराने सालों के मुख्य परीक्षा के प्रश्नपत्र और उसके उकेलपत्र डाउनलोड कर सकते हैं और उसकी प्रिन्ट भी निकाल सकते हैं।**

http://www.baps.org/Satsang-Exams.aspx